starred question No. 60 on the 16th November, 1954 and state:

(a) whether there is any proposal to run diesel locomotives on certain sections of the Indian Railways besides the Kalka-Simla line; and

(b) if so, whether any order for import of additional engines has been placed with any foreign firms?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) Yes, Sir, to a limited extent.

(b) Yes, Sir.

RAILWAY EMPLOYEES

*1358. **Shri J. R. Mehta:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the total number of sanctioned posts of Assistant Engineers (Civil), permanent and temporary, in Class I and Class II respectively, on the Indian Railways; and

(b) how many of the incumbents of these posts hold requisite degrees, as are recognised for the I.R.S.E.?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix VII, annexure No. 24].

(b) 171.

बिहार में खाद्यान्न की कमी

*१२५६. **श्री अनिरुद्ध सिंह :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत वर्ष की बाढ़ और सूखा के कारण उत्तर बिहार तथा खास कर दरभंगा जिला और सीतामढ़ी सब-डिवीजन में धान और रबी की फसल मारी गई है और उन क्षेत्रों में खाद्यान्न की कमी हो गई है ;

(ख) क्या यह बात भी सच है कि उन क्षेत्रों के सरकारी गोदामों में स्टाक पहले से ही समाप्त हो गया है तथा भीतर के क्षेत्र में खाद्यान्न की कमी के कारण उन के भाव बढ़ गये हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस विषय में सरकार ने क्या कार्यवाही की है या करने को सोच रही है ?

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) १९५४ के जुलाई अगस्त मासों में बाढ़ के कारण उत्तर बिहार में चावल की फसल में कुछ नुकसान हुआ था लेकिन पिछले वर्ष से इस वर्ष रबी की फसल अच्छी होने की आशा है। हाल ही के हफ्तों में सरकारी दुकानों की चावल की मांग कुछ बढ़ गई है।

(ख) तथा (ग). जी नहीं। राज्य सरकार के पास चावल का भंडार कम नहीं है तथा मोखेमह के केन्द्रीय सरकार के गोदामों से उत्तर बिहार को कुछ और चावल भेजने का प्रबन्ध किया जा रहा है। खाद्यान्न के बाजार भावों में कोई चिन्ता जनक बढ़ोतरी नहीं हुई है।

दिल्ली और पेकिंग में रेडियो टेलीफोन सम्बन्ध

*१२५९. **श्री रघुनाथ सिंह :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली पेकिंग के बीच रेडियो टेलीफोन संबंध स्थापित करने में कितना व्यय हुआ है, और

(ख) क्या यह व्यवस्था वित्तीय दृष्टि से सफल सिद्ध हुई है ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर): (क) क्योंकि यह सेवा वर्तमान कर्मचारियों और यंत्रसज्जा द्वारा ही चलाई जा रही है इसलिये इस सेवा के लिये कोई अतिरिक्त व्यय नहीं हुआ।

(ख) यह सेवा केवल २-२-१९५५ से ही प्रारम्भ हुई है और इस के सम्बन्ध में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।